अनुक्रमांक : मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 08
नाम : .....

101 **2026** **301 (BG)**

हिन्दी

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

सामान्य निर्देश :

i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

खण्ड – 'क'
(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. क) 'शुक्लयुग' के निबन्धकार नहीं हैं : **(1)**

(i) गुलाबराय

(ii) राहुल सांकृत्यायन

(iii) अध्यापक पूर्ण सिंह

(iv) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ख) हिन्दी एकांकी के जनक माने जाते हैं : **(1)**

i) विष्णु प्रभाकर

ii) भुवनेश्वर प्रसाद

iii) लक्ष्मीनारायण मिश्र

iv) रामकुमार वर्मा

ग) 'चंपारण में महात्मा गाँधी' जीवनीपरक कृति के लेखक हैं : **(1)**

(i) डॉ. राजेन्द्रप्रसाद

(ii) अमृत राय

(iii) डॉ. रामविलास शर्मा

(iv) संपूर्णानन्द

घ) 'हर्षचरित का सांस्कृतिक अध्ययन' कृति किस गद्य – विधा की रचना है ? (1)

(i) निबन्ध

(ii) आलोचना

(iii) यात्रावृत्तान्त

(iv) कहानी

ङ) इनमें से लेखक और उसकी कृति का एक विकल्प सुमेलित नहीं है, वह है : (1)

(i) जैनेन्द्र कुमार – 'पूर्वोदय'

(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' – 'बाजे पायलिया के घुँघरू'

(iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी – 'राष्ट्रजीवन की समस्याएँ'

(iv) हरिशंकर परसाई – 'तब की बात और थी'

2. क) 'द्विवेदी – युग' के कवि नहीं हैं : (1)

(i) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

(ii) रामनरेश त्रिपाठी

(iii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(iv) माखनलाल चतुर्वेदी

ख) 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।' – यह कथन इनमें से किस काव्यआन्दोलन के लिए कहा गया है ? (1)

(i) 'छायावाद'

(ii) 'प्रगतिवाद'

(iii) 'प्रयोगवाद'

(iv) 'नई कविता'

ग) इनमें से प्रगतिवादी कवि नहीं हैं : (1)

(i) नागार्जुन

(ii) त्रिलोचन शास्त्री

(iii) केदारनाथ अग्रवाल

(iv) गिरजाकुमार माथुर

घ) 'तारसप्तक' के कवियों को 'राहों का अन्वेषी' कहा है : (1)

(i) गजानन माधव मुक्तिबोध ने

(ii) भारतभूषण अग्रवाल ने

(iii) प्रभाकर माचवे ने

(iv) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ने

ङ) मैथिलीशरण गुप्त की काव्यकृति नहीं है : (1)

(i) 'यशोधरा'

(ii) 'रजतशिखर'

(iii) 'जयभारत'

(iv) 'विष्णुप्रिया'

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(5 × 2 = 10)**

राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों–युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास–प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबन्धमात्र है, संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि संभव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ–साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है। यदि भूमि और जन अपनी संस्कृति से विरहित कर दिये जायें, तो राष्ट्र का लोप समझना चाहिए।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) मनुष्य के जीवन की श्वास–प्रश्वास क्या है ?

(iv) राष्ट्र का लोप कब समझना चाहिए ?

(v) राष्ट्र की वृद्धि कैसे संभव है ?

अथवा

अशोक–वृक्ष की पूजा इन्हीं गन्धर्वों और यक्षों की देन है। प्राचीन साहित्य में इस वृक्ष की पूजा के उत्सवों का बड़ा सरस वर्णन मिलता है। असल पूजा अशोक की नहीं, बल्कि उसके अधिष्ठाता कंदर्प–देवता की होती थी। इसे 'मदनोत्सव' कहते थे। महाराज भोज के 'सरस्वती–कण्ठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता था। 'मालविकाग्निमित्र' और 'रत्नावली' में इस उत्सव का बड़ा सरस–मनोहर वर्णन मिलता है। मैं जब अशोक के लाल स्तबकों को देखता हूँ, तो मुझे वह पुराना वातावरण प्रत्यक्ष दिखायी दे जाता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) अशोक–वृक्ष की पूजा किसकी देन है ?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) 'मदनोत्सव' किसे कहते हैं ?

(v) 'सरस्वती–कण्ठाभरण' किसकी रचना है ?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (5 × 2 = 10)

कबहुँ होत सत चंद कबहुँ प्रगटत दुरि भाजत ।
पवन गवन बस बिंब रूप जल में बहु साजत ॥
मनु ससि भरि अनुराग जमुन जल लोटत डोलै ।
कै तरंग की डोर हिंडोरनि करति कलोलै ॥
कै बालगुड़ी नभ में उड़ी सोहत इत-उत धावती ।
कै अवगाहत डोलत कोऊ ब्रजरमनी जल आवती ॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ एवं रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'मनु ससि भरि अनुराग जमुन जल लोटत डोलै ।' इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए।

(iv) 'बालगुड़ी' तथा 'हिंडोरनि' शब्द का अर्थ लिखिए।

(v) 'अवगाहन' यह शब्द किस शब्द का पर्यायवाची शब्द हैं ?

अथवा

सामने टिकते नहीं वनराज, पर्वत डोलते हैं,
काँपता है कुंडली मारे समय का ब्याल,
मेरी बाँह में मारुत, गरुड़, गजराज का बल है ।
मर्त्य मानव की विजय का तूर्य हूँ मैं,
उर्वशी ! अपने समय का सूर्य हूँ मैं ।
अंध तम के भाल पर पावक जलाता हूँ,
बादलों के सीस पर स्यंदन चलाता हूँ ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) राजा पुरुरवा अपने मन की स्थिति का वर्णन किससे कर रहे हैं ?

(iv) 'ब्याल' और 'स्यंदन' शब्द का अर्थ लिखिए।

(v) 'मारुत' और 'पावक' किसके पर्यायवाची शब्द हैं ?

5. क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (3 + 2 = 5)
(अधिकतम शब्द – सीमा 80 शब्द)

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(iii) हरिशंकर परसाई

ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उसकी साहित्यिक विशेषताएँ लिखिए : (अधिकतम शब्द – सीमा 80 शब्द) (3 + 2 = 5)

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(iii) महादेवी वर्मा

6. 'लाटी' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्रचित्रण कीजिए । (अधिकतम शब्द – सीमा 80 शब्द) (5)

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द – सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (5)
(अधिकतम शब्द – सीमा 80 शब्द)

क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

ख) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर सम्राट 'हर्षवर्धन' का चित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की सामान्य विशेषताएँ उद्घाटित कीजिए ।

ग) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' का चरित्रचित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'साइमन कमीशन' के बहिष्कार की घटना पर प्रकाश डालिए ।

ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुःशासन' का चरित्रचित्रण कीजिए ।

च) 'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' का चित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

खण्ड – 'ख'

8. क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : (2 + 5 = 7)

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिर्व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भासभारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतैनैव सुरक्षितं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठ चास्ति। ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति।

अथवा

यदा अयं षोडशवर्षदेशीयः आसीत् तदास्य कनीयसी भगिनीविषूचिकया पञ्चत्वं गता। वर्षत्रयानन्तरमस्य पितृव्योऽपि दिवङ्गतः। द्वयोरनयोः मृत्युं दृष्ट्वा आसीदस्य मनसि–कथमहं कथं वायं लोकः मृत्युभयात् मुक्तः स्यादिति चिन्तयतः एवास्य हृदि सहसैव वैराग्यप्रदीपः प्रज्वलितः। एकस्मिन् दिवसे अस्तङ्गते भगवति भास्वति मूलशङ्करः गृहमत्यजत्। समदशवर्षाणि यावत् अमरत्वप्राप्त्युपायं चिन्तयन् मूलशङ्करः ग्रामाद् ग्रामं, नगरान्नगरं, वनाद् वनं, पर्वतात् पर्वतमभ्रमत् परं नाविन्दतातितरां तृप्तिम्।

ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : (2 + 5 = 7)

प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः॥

अथवा

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : (2 + 2 = 4)

क) मैत्रेयी कस्य पत्नी आसीत् ?

ख) हंसराजः स्वदुहितरं कस्मै अददात् ?

ग) मालवीयः कुत्र अध्यापनम् आरब्धवान् ?

घ) कृष्णः कस्य समीपे दौत्येन गतः ?

10. **क)** 'शृंगार' रस अथवा 'करुण' रस की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । **(1 + 1 = 2)**

ख) 'रूपक' अलंकार अथवा 'प्रतीप' अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । **(1 + 1 = 2)**

ग) 'सोरठा' छन्द अथवा 'इन्द्रवज्रा' छन्द की उदाहरण-सहित परिभाषा दीजिए । **(1 + 1 = 2)**

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : **(2 + 7 = 9)**

(i) प्राकृतिक आपदाएँ : कारण और निवारण

(ii) विज्ञान वरदान है या अभिशाप

(iii) साहित्य और संस्कृति

(iv) योग – दिवस की प्रासंगिकता

(v) भारतीय कृषक की समस्याएँ।

12. **क)** **i)** 'प्रेजते' का सन्धि – विच्छेद है : **(1)**

(A) प्रे + जते

(B) प्रेज + ते

(C) प्र + एजते

(D) प्रेय + ते

ii) 'कश्चित्' का सन्धि – विच्छेद है : **(1)**

(A) कस् + चित्

(B) कष् + चित्

(C) कस + चित्

(D) कः + चित

iii) 'निस्तारणम्' का सन्धि – विच्छेद है : **(1)**

(A) निस्ता + रणम्

(B) निस्त + कारणम्

(C) निस + तारणम्

(D) निः + तारणम्

ख) **i)** 'निर्दोष' शब्द में समास है : **(1)**

(A) कर्मधारय

(B) बहुव्रीहि

(C) अव्ययीभाव

(D) द्वन्द्व

ii) 'त्रिनेत्रः' शब्द में समास है : **(1)**

(A) बहुव्रीहि

(B) तत्पुरुष

(C) अव्ययीभाव

(D) कर्मधारय

13. क) i) 'श्रुत्वा' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है : **(1)**

(A) क्त

(B) क्त्वा

(C) क्त्व

(D) मतुप

ii) 'रूपवान्' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है : **(1)**

(A) मतुप्

(B) वतुप्

(C) अनीयार्

(D) तव्यत्

ख) i) 'येनाङ्गविकारः' का उदाहरण है : **(1)**

(A) छात्रेण सह शिक्षकः गच्छति ।

(B) सः शिरसा खल्वाटः ।

(C) तस्मै श्रीगुरवे नमः ।

(D) नदीनां गङ्गा श्रेष्ठ ।

ii) 'षष्ठी शेषे' का उदाहरण है : **(1)**

(A) सः विद्यालयं प्रति गच्छति ।

(B) पुत्रेण सह पिता गच्छति ।

(C) सुग्रीवः रामस्य सखा आसीत् ।

(D) दैत्येभ्यः हरिः अलम् ।

14. अपने मोहल्ले की गन्दी नालियों की सफाई के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए । (8)